हिन्दी (Hindi) - 2021 (A)

द्वितीय पाली

खण्ड – अ (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

प्रश्न संख्या 1 से 100 तक के प्रत्येक वस्तुनिष्ठ प्रश्न के साथ चार विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से कोई एक सही है। इन 100 प्रश्नों में से किन्हीं 50 प्रश्नों के उत्तर अपने द्वारा चुने गए सही विकल्प को OMR उत्तर पत्रक पर चिह्नित करें।

1. व्यंजन के कितने प्रकार हैं ?
   (A) एक (B) दो (C) तीन (D) चार
2. 'अंतःपुर' का संधि-विच्छेद है
   (A) अं + तःपुर (B) अंतःपु + र (C) अंतः + पुर (D) अंत + पुर
3. निम्न में शुद्ध शब्द है
   (A) सिंदुर (B) सुर्य (C) साशन (D) वनवास
4. 'सुरेश' कौन संज्ञा है ?
   (A) व्यक्तिवाचक (B) जातिवाचक (C) भाववाचक (D) समूहवाचक
5. 'सभा' शब्द का लिंग है
   (A) स्त्रीलिंग (B) पुंल्लिंग (C) उभयलिंग (D) इनमें से कोई नहीं
6. 'यह कविता मैंने लिखी है।' रेखांकित शब्द कौन सर्वनाम है ?
   (A) निजवाचक (B) निश्चयवाचक (C) पुरुषवाचक (D) संबंधवाचक
7. 'मोहन आया' किस काल का उदाहरण है ?
   (A) सामान्य भूतकाल (B) वर्तमान काल (C) भविष्यत काल (D) संदिग्ध भूतकाल
8. 'भाई-बहन' कौन समास है ?
   (A) द्विगु (B) द्वंद्व (C) बहुव्रीहि (D) तत्पुरुष
9. 'धन' शब्द का पर्यायवाची है
   (A) संपत्ति (B) तरी (C) अब्धि (D) हाटक
10. 'विधवा' शब्द का विलोम है
    (A) विरत (B) सधवा (C) महत् (D) संपद्
11. 'मदुरै' को यूनानी लोगों द्वारा क्या कहा जाता था ?
    (A) मंदारा (B) मेदोरा (C) मदिरा (D) मंदिरा
12. निम्न में शुद्ध वाक्य कौन है ?
    (A) हम तो अवश्य जाएँगे (B) हम अवश्य ही जाएँगे
    (C) हमको तो अवश्य ही जाना है (D) मुझे तो अवश्य ही जाना है
13. 'जला' शब्द में कौन प्रत्यय है ?
    (A) ला (B) आ (C) ल (D) अ
14. 'बुद्धिमान' शब्द का स्त्रीलिंग रूप है
    (A) बुद्धिमानी (B) ज्ञानी (C) बुद्धिमनी (D) बुद्धिमती
15. 'पंचम' शब्द का संधि-विच्छेद है
    (A) पंच + म (B) पं + चम (C) पम् + चम (D) पन + चम
16. 'दूध के दाँत न टूटना' मुहावरे का क्या अर्थ है ?
    (A) अनुभवहीन (B) दाँत न टूटना (C) दाँत जमना (D) दाँत टूटना
17. निम्न में कौन शब्द सर्वनाम है ?
    (A) मोहन (B) आप (C) कमला (D) गुड़िया
18. 'चार गज मलमल' कौन विशेषण है ?
    (A) संख्यावाचक (B) परिमाणबोधक (C) गुणवाचक (D) सार्वनामिक विशेषण
19. 'पिकासो' की विख्यात कृति का नाम है
    (A) द आविन्यो (B) द वीलनब्व
    (C) मादामोजेल द आविन्यों (D) द मादामोजेल

BiharboardQuestionpaper.com

20. बिरजू महाराज को तालीम किससे मिली ?
(A) दादा से (B) बाबूजी से (C) नाना से (D) चाचा से

21. बाबा साहेब भीमराव अंबेदकर का जन्म किस राज्य में हुआ था ?
(A) मध्य प्रदेश (B) बिहार (C) उत्तर प्रदेश (D) बंगाल

22. 'अनुमति' शब्द का पर्यायवाची निम्न में कौन है ?
(A) असहमत (B) असहज (C) अनजान (D) सहमति

23. 'रक्षा' शब्द का विलोम है
(A) भक्षक (B) वीक्षा (C) विनाश (D) वियोग

24. नलिन विलोचन शर्मा द्वारा लिखित कहानी निम्न में कौन है ?
(A) मछली (B) अक्षरों की कहानी
(C) विष के दाँत (D) भारतीय लिपियों की कहानी

25. मैक्स मूलर का जन्म कब हुआ था ?
(A) 1823 ई॰ में (B) 1824 ई॰ में (C) 1825 ई॰ में (D) 1826 ई॰ में

26. सर विलियम जोन्स समुद्री यात्रा करते हुए भारत कब पहुँचे ?
(A) 1857 ई॰ में (B) 1765 ई॰ में (C) 1600 ई॰ में (D) 1783 ई॰ में

27. 'अनामदास का पोथा' उपन्यास किस लेखक की कृति है ?
(A) हजारी प्रसाद द्विवेदी (B) यतीन्द्र मिश्र
(C) अमरकांत (D) महात्मा गाँधी

28. 'वास्तविक' शब्द में प्रत्यय है
(A) विक (B) इक (C) ईक (D) तविक

29. हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'निर्लज्ज अपराधी' किसे कहा है ?
(A) डकैत को (B) चोर को (C) हत्यारे को (D) नाखून को

30. 'निः' उपसर्ग के योग से बना शब्द है
(A) नियम (B) निजी (C) नीति (D) निःशुल्क

31. 'दही वाली मंगम्मा' किस भाषा से अनूदित कहानी है ?
(A) कन्नड़ (B) संस्कृत (C) अंग्रेजी (D) उड़िया

32. 'ढहते विश्वास' कहानी के सम्पादक कौन हैं ?
(A) ईश्वर पेटलीकर (B) सातकोड़ी होता (C) श्रीनिवास (D) सुजाता

33. 'काला पानी' किसका लोकप्रिय उपन्यास है ?
(A) सातकोड़ी होता (B) सुजाता (C) साँवर दइया (D) ईश्वर पेटलीकर

34. 'अंदर किसी को देखने का नियम नहीं है'—यह किसने कहा ?
(A) मेट्रन ने (B) मजिस्ट्रेट ने (C) परिचारिका ने (D) डॉक्टर ने

35. मंगु को भर्ती करने के लिए माँ ने किसे पत्र लिखकर बुलवाया ?
(A) बड़े पुत्र को (B) छोटे पुत्र को (C) बड़ी बहू को (D) छोटी बहू को

36. लक्ष्मी के बड़े लड़के का नाम क्या था ?
(A) आदित्य (B) अमित (C) अमर (D) अच्युत

37. 'स्वेच्छासेवक दल' का गठन किसने किया ?
(A) गुणनिधि ने (B) लक्ष्मी ने (C) सरपंच ने (D) केशव ने

38. लक्ष्मण कहाँ नौकरी करता था ?
(A) बम्बई में (B) मद्रास में (C) कलकत्ता में (D) दिल्ली में

39. मंगु की बड़ी बहन का नाम क्या था ?
(A) मनु (B) कुसुम (C) मिनी (D) कमु

40. किस दिन सीता को लगा कि 'लायसी' बिलकुल फीकी है ?
(A) नाहरसिंहजी वाले दिन (B) दुर्गा पूजा वाले दिन
(C) दीपावली वाले दिन (D) होली वाले दिन

41. 'मछली' शीर्षक कहानी के रचयिता हैं
(A) विनोद कुमार शुक्ल (B) रामविलास शर्मा
(C) अशोक वाजपेयी (D) नलिन विलोचन शर्मा

BiharboardQuestionpaper.com

42. निम्न में 'नरक' शब्द का विशेषण कौन है ?
(A) नरकी (B) नारकीय (C) नरकत (D) नरकुय

43. निम्न में 'आँख' शब्द का पर्यायवाची कौन है ?
(A) शुमा (B) लोचन (C) अतन (D) देवारि

44. 'बंधन' शब्द का विलोम होगा
(A) मुक्ति (B) छूट (C) बाँधना (D) छोड़ना

45. 'अमीरुद्दीन' नाम किसका था ?
(A) मिट्ठन मियाँ का (B) बिस्मिल्ला खाँ का (C) अलीबख्श का (D) जमाल शेख का

46. महात्मा गाँधी के पिता का नाम क्या था ?
(A) करमचंद गाँधी (B) धरमचंद गाँधी (C) जयशंकर गाँधी (D) विद्याशंकर गाँधी

47. 'कम खाने वाला' के लिए एक शब्द है
(A) अलक्ष्य (B) अखाद्य (C) अल्पाहारी (D) अल्पज्ञ

48. बिरजू महाराज को संगीत नाटक अकादमी अवार्ड कब प्राप्त हुआ ?
(A) 27 साल की उम्र में (B) 25 साल की उम्र में
(C) 20 साल की उम्र में (D) 19 साल की उम्र में

49. 'छात्र' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या है ?
(A) छात्री (B) छात्रिय (C) छात्रानी (D) छात्रा

50. गुरु नानक की पत्नी का क्या नाम था ?
(A) सुलक्षणी (B) सुलोचना (C) सरला (D) सुलोचनी

51. जाति-प्रथा स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्यों ?
(A) भेदभाव के कारण (B) शोषण के कारण
(C) गरीबी के कारण (D) रुचि पर आधारित नहीं होने के कारण

52. मदन के लिए क्या खाना मामूली बात थी ?
(A) दुत्कार (B) प्यार (C) मार (D) फटकार

53. मैक्स मूलर ने कालिदास की किस पुस्तक का जर्मन भाषा में अनुवाद किया ?
(A) मालविकाग्निमित्रम् का (B) अभिज्ञानशाकुंतलम् का
(C) मेघदूत का (D) रघुवंशम् का

54. 'बहादुर' का पूरा नाम क्या है ?
(A) शेखबहादुर (B) दिलबहादुर (C) दिलनबहादुर (D) शिवबहादुर

55. 'परंपरा का मूल्यांकन' शीर्षक पाठ साहित्य की कौन विधा है ?
(A) कहानी (B) निबंध (C) व्यंग्य (D) संस्मरण

56. ला-शत्रुज क्या था ?
(A) विद्यालय (B) शहर (C) गाँव (D) ईसाई मठ

57. 'मछली' शीर्षक पाठ में खरीदी गई मछली में कितनी मछली जिंदा थी ?
(A) दो (B) तीन (C) चार (D) पाँच

58. गुरु नानक ने किस धर्म का प्रवर्तन किया ?
(A) सिख धर्म का (B) हिंदू धर्म का (C) मुस्लिम धर्म का (D) ईसाई धर्म का

59. 'रसखान की कृति है
(A) प्रेम वाटिका (B) दोहाकोश (C) मृच्छकटिकम् (D) पृथ्वीराज रासो

60. घनानंद किनके सैनिकों द्वारा मारे गये थे ?
(A) मोहम्मद गोरी (B) नादिर शाह (C) औरंगजेब (D) मोहम्मद शाह रंगीले

61. कवि प्रेमघन के अनुसार कौन-सी विद्या पढ़कर लोगों की बुद्धि विदेशी हो गयी है ?
(A) छल विद्या (B) कपट विद्या (C) विदेशी विद्या (D) तकनीकी विद्या

62. 'सफल आज उसका तप संयम, पिला अहिंसा स्तन्य सुधोतम,' प्रस्तुत पंक्ति किस कविता की है ?
(A) स्वदेशी (B) भारतमाता (C) जनतंत्र का जन्म (D) हिरोशिमा

63. 'अक्षर ज्ञान' कविता में किस मनोविज्ञान का आधार लिया गया है ?
(A) किशोर मनोविज्ञान (B) स्त्री मनोविज्ञान (C) बाल मनोविज्ञान (D) शिशु मनोविज्ञान

BiharboardQuestionpaper.com

64. 'हमारी नींद' शीर्षक कविता में नींद किसका प्रतीक है ?
(A) साहस (B) उम्मीद (C) प्रसन्नता (D) आलस

65. 'दही वाली मंगम्मा' शीर्षक पाठ में बहू ने सास से समझौता क्यों कर लिया ?
(A) डर से (B) प्रेम से (C) मजबूरी से (D) शौक से

66. किस लेखक की रचना साहित्य में उड़ीसा का जीवन पूर्ण आंचलिकता के साथ प्रकट हुआ है ?
(A) सातकोड़ी होता (B) श्रीनिवास (C) सुजाता (D) ईश्वर पेटलीकर

67. [illegible] ?
(A) चंदरा (B) गुणनिधि, अच्युत (C) शंकर, मकरा (D) इनमें से सभी

68. [illegible] ?
(A) बंधन (B) मुक्ति (C) छुटकारा (D) संतोष

69. [illegible] ?
(A) सुजाता (B) सातकोड़ी होता (C) श्रीनिवास (D) ईश्वर पेटलीकर

70. '[illegible]' का उच्चारण स्थान क्या है ?
(A) कंठ (B) मूर्द्धा (C) तालु (D) दंत

71. 'अकेला दम' मुहावरे का क्या अर्थ है ?
(A) चाल चलना (B) याचना करना (C) धोखा देना (D) अकेला

72. 'देवालय' शब्द कौन समास है ?
(A) तत्पुरुश (B) द्विगु (C) द्वंद्व (D) बहुव्रीहि

73. '[illegible]' शब्द है
(A) तत्सम (B) तद्भव (C) देशज (D) विदेशज

74. 'अधिकार' शब्द में उपसर्ग है
(A) अ (B) अध (C) अधि (D) अधी

75. 'दुकान' शब्द कौन संज्ञा है ?
(A) व्यक्तिवाचक (B) जातिवाचक (C) द्रव्यवाचक (D) समूहवाचक

76. 'अबल' शब्द का स्त्रीलिंग रूप क्या है ?
(A) अबली (B) अबला (C) अबलाइन (D) अबलिन

77. 'मनोहर' शब्द का संधि-विच्छेद है
(A) मनो + हर (B) मन: + हर (C) म + नोहर (D) मनोह + र

78. 'संधि' के कितने भेद हैं ?
(A) एक (B) दो (C) तीन (D) चार

79. 'आगे नाथ न पीछे पगहा' लोकोक्ति का क्या अर्थ है ?
(A) मूर्ख धनवान (B) पीछा न छोड़ना
(C) काम न जानना (D) किसी तरह की जिम्मेवारी का न होना

80. 'मुखचंद्र' शब्द कौन समास है ?
(A) कर्मधारय (B) द्विगु (C) तत्पुरुष (D) द्वंद्व

81. 'भारतीय लिपियों की कहानी' पुस्तक के रचयिता कौन हैं ?
(A) भीमराव अंबेदकर (B) मैक्स मूलर (C) यतीन्द्र मिश्र (D) गुणाकर मूले

82. 'हिंदी तथा इसकी विविध बोलियाँ' किस लिपि में लिखी जाती हैं ?
(A) देवनागरी (B) खरोष्ठी (C) तेलगु (D) ब्राह्मी

83. लेखक अमरकांत ने हाई-स्कूल की शिक्षा कहाँ से प्राप्त की ?
(A) बलिया से (B) छपरा से (C) आरा से (D) बक्सर से

84. बहादुर कहाँ से भागकर आया था ?
(A) भोपाल से (B) नेपाल से (C) बंगाल से (D) तिब्बत से

85. 'इज्जत' शब्द कौन लिंग है ?
(A) स्त्रीलिंग (B) पुंल्लिंग (C) उभयलिंग (D) इनमें से कोई नहीं

86. 'त' का उच्चारण स्थान है ?
(A) मूर्द्धा (B) दंत (C) कंठ (D) ओष्ठ

BiharboardQuestionpaper.com

87. 'बहादुर' शीर्षक कहानी में 'किशोर' कौन था ?
(A) लेखक का पुत्र (B) लेखक के साले का पुत्र
(C) लेखक के भाई का पुत्र (D) लेखक का चचेरा भाई

88. रामविलास शर्मा का जन्म कब हुआ था ?
(A) 1910 ई० में (B) 1911 ई० में (C) 1912 ई० में (D) 1914 ई० में

89. 'परंपरा का मूल्यांकन' है
(A) निबंध (B) कहानी (C) नाटक (D) उपन्यास

90. 'जित-जित मैं निरखत हूँ' पाठ के लेखक कौन हैं ?
(A) यतीन्द्र मिश्र (B) महात्मा गाँधी (C) अमरकांत (D) पंडित बिरजू महाराज

91. 'बेमन' शब्द कौन समास है ?
(A) बहुव्रीहि समास (B) कर्मधारय समास (C) तत्पुरुष समास (D) नञ समास

92. 'प्रेम-अयनि श्री राधिका' शीर्षक कविता में कवि ने माली-मालिन किसे कहा है ?
(A) राम-सीता को (B) शंकर-पार्वती को (C) राधा-कृष्ण को (D) गणेश-लक्ष्मी को

93. गुरु नानक किस मार्ग के कवि हैं ?
(A) सूफी मार्ग के (B) निर्गुण भक्ति मार्ग के
(C) कृष्ण भक्ति मार्ग के (D) राम भक्ति मार्ग के

94. "इन मुसलमान हरिजनन पै, कोटिन हिन्दू वारिये।" किसने कहा था ?
(A) भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने (B) रसखान ने (C) भूषण ने (D) घनानंद ने

95. मीरमुंशी ने किस कवि का वध किया था ?
(A) रसखान का (B) घनानंद का (C) भूषण का (D) प्रेमघन का

96. रामधारी सिंह दिनकर कहाँ के रहने वाले थे ?
(A) उत्तर प्रदेश के (B) मध्य प्रदेश के (C) राजस्थान के (D) बिहार के

97. सुमित्रानंदन पंत के अनुसार भारतमाता किसकी मूर्ति हैं ?
(A) उदास माटी की (B) सुख समृद्धि की (C) उदारता की (D) त्याग की

98. 'भारत सौभाग्य' किनका प्रसिद्ध नाटक है ?
(A) कुँवर नारायण का (B) प्रेमघन का (C) अनामिका का (D) जीवनानंद दास का

99. 'सनेह को मारग' रेखांकित शब्द कौन कारक है ?
(A) कर्त्ता (B) कर्म (C) करण (D) सम्बन्ध

100. 'व्यायाम' शब्द का संधि विच्छेद है
(A) वि + आयाम (B) व्य + आयाम (C) व्या + याम (D) व् + यायाम

खण्ड–ब (विषयनिष्ठ प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है : 5×2=10

(क) आकाशगंगा तारों का महापरिवार है। शायद नदी की धारा की तरह दिखाई पड़ने के कारण ही इसका नाम आकाशगंगा पड़ा होगा। आकाश में कई आकाशगंगा हैं, लेकिन पृथ्वी से केवल एक ही आकाशगंगा दिखाई पड़ती है, जिसका नाम 'स्पाइरल गैलेक्सी' है। हमारी आकाशगंगा पहिए की आकृति वाली है, जिसके केन्द्र से तारक मछली की भाँति भुजाएँ निकलती प्रतीत होती हैं। आकाशगंगा में लगभग 20 अरब तारे हैं। उनमें तो अनेक तारे सूर्य ग्रह से कई गुना बड़े हैं। पृथ्वी से समतल पट्टी जैसी दिखने वाली इस आकाशगंगा को ऊपर या ठीक नीचे देखा जाए तो यह बीच में उभार लिए प्लेट की तरह दिखेगी। इस आकाशगंगा के केन्द्र में तारों का भारी जमघट है।

प्रश्न :
(i) आकाशगंगा नाम क्यों पड़ा ?
(ii) पृथ्वी से कितनी आकाशगंगा दिखलाई पड़ती है ? उसका नाम क्या है ?
(iii) आकाशगंगा में कितने तारे हैं ?
(iv) आकाशगंगा के केन्द्र में किसका जमघट है ?
(v) सूर्य क्या है ?

(ख) गंगा भारत की अत्यंत पवित्र नदी है, जिसका जल काफी दिनों तक रखने के बावजूद अशुद्ध नहीं होता, जबकि साधारण जल कुछ दिनों में ही सड़ जाता है। गंगा का उद्गम स्थल गंगोत्री या गोमुख है।

BiharboardQuestionpaper.com

गोमुख से भागीरथी निकलती है और देवप्रयाग नामक स्थल पर अलकनंदा नदी से मिलकर आगे गंगा के रूप में प्रवाहित होती है। भागीरथी से देवप्रयाग तक आते-आते इसमें कुछ चट्टानें घुल जाती हैं, जिससे इसके जल में ऐसी क्षमता पैदा हो जाती है जो उसके पानी को सड़ने नहीं देती। प्रत्येक नदी के जल में कुछ खास तरह के पदार्थ घुले रहते हैं, जो उसके विशिष्ट जैविक संरचना के लिए उत्तरदायी होते हैं। ये घुले हुए पदार्थ पानी में कुछ खास तरह के बैक्टीरिया को पनपने देते हैं कुछ को नहीं। कुछ खास तरह के बैक्टीरिया ही पानी में सड़न के लिए उत्तरदायी होते हैं तो कुछ पानी में सड़न को रोकने के लिए सहायक होते हैं। वैज्ञानिक शोधों से पता चलता है कि गंगा के पानी में भी ऐसे बैक्टीरिया हैं जो पानी में सड़न पैदा करने वाले कीटाणुओं को पनपने ही नहीं देते। इसलिए गंगा का पनी काफी लम्बे समय तक खराब नहीं होता और पवित्र माना जाता है।

प्रश्न :

(i) गंगा के जल और रसाधारण पानी में क्या अंतर है ?

(ii) गंगा के उद्गम स्थल को किस नाम से जाना जाता है ?

(iii) भागीरथी से देवप्रयाग तक का सफर गंगा के लिए किस तरह लाभदायी सिद्ध होता है ?

(iv) बैक्टीरिया ही पानी में सड़न पैदा करते हैं और बैक्टीरियां ही पानी की सड़न रोकते हैं, कैसे ?

(v) गंगा का पानी पवित्र क्यों माना जाता है ?

2. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गये प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का है : 5×2=10

(क) अच्छा नागरिक बनने के लिए भारत के प्राचीन विचारकों ने कुछ नियमों का प्रावधान किया है। इनमें वाणी और व्यवहार की शुद्धि, कर्त्तव्य और अधिकार का समुचित निर्वाह, शुद्धतम पारस्परिक सद्भव, सहयोग सेवा की भावना आदि नियम महत्त्वपूर्ण माने गए हैं। ये सभी नियम यदि एक व्यक्ति के चारित्रिक गुणों में अनिवार्य माने जाएँ तो उसका अपना जीवन भी सुखी और आनंदमय हो सकता है। इन सभी गुणों का विकास एक बालक में यदि बाल्यावस्था में ही किया जाए तो वह अपने देश का सर्वश्रेष्ठ नागरिक बन सकता है। इन गुणों के कारण वह अपने परिवार, आस-पड़ोस, विद्यालय में अपने सहपाठियों एवं अध्यापकों के प्रति यथोचित व्यवहार कर सकेगा। वाणी एवं व्यवहार की मधुरता सभी के लिए सुखदायी होती है, समाज में हार्दिक सद्भाव की वृद्धि करती है, किंतु अहंकारहीन व्यक्ति ही स्निग्ध वाणी और शिष्ट व्यवहार का प्रयोग कर सकता है। अहंकारी और दंभी व्यक्ति सदा अशिष्ट वाणी और व्यवहार का अभ्यासी होता है। जिसका परिणाम यह होता है कि ऐसे आदमी के व्यवहार से समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण नहीं बनता।

जिस प्रकार एक व्यक्ति समाज में रहकर अपने व्यवहार से कर्त्तव्य और अधिकार के प्रति सजग रहता है उसी तरह देश के प्रति भी उसका व्यवहार कर्त्तव्य, अधिकार की भावना से भावित रहना चाहिए। उसका कर्त्तव्य हो जाता है कि न तो वह स्वयं ऐसा काम करे और न ही दूसरों को करने दे, जिससे देश के सम्मान, सम्पत्ति और स्वाभिमान को ठेस पहुँचे। समाज एवं देश में शांति बनाए रखने के लिए धार्मिक सहिष्णुता भी बहुत आवश्यक है। यह वृत्ति तभी आ सकती है जब व्यक्ति संतुलित व्यक्तित्व का हो।

प्रश्न :

(i) समाज एवं राष्ट्रहित में नागरिक के लिए कैसे गुणों की अपेक्षा की जाती है ?

(ii) चारित्रिक गुण किसी व्यक्ति के निजी जीवन में किस प्रकार उपयोगी हो सकते हैं ?

(iii) वाणी और व्यवहार की मधुरता सबके लिए सुखदायक क्यों मानी गयी है ?

(iv) मधुर वाणी और शिष्ट व्यवहार कौन कर सकता है, कौन नहीं और क्यों ?

(v) देश के प्रति व्यक्ति का व्यवहार और कर्त्तव्य कैसा होना चाहिए ?

(ख) साहस की जिंदगी सबसे बड़ी जिन्दगी होती है। ऐसी जिन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिलकुल निडर और बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्य को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना यह साधारण जीवन का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल समझकर मद्धिम बनाते हैं।

साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता, पर वह अपने विचारों में रमा हुआ अपनी ही किताब पढ़ता है। अर्नाल्ड बेनेट ने लिखा है –'जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय वह साहस से काम नहीं

BiharboardQuestionpaper.com

ले सका, जिंदगी की चुनौती को कुबूल नहीं कर सकता, वह सुखी नहीं हो सकता। जिंदगी को ठीक से जीना हमेशा ही जोखिम को झेलना है और जो आदमी सकुशल जीने के लिए जोखिम का हर जगह घेरा डालता है, वह अंततः अपने ही घेरों के बीच कैद हो जाता है और जिंदगी का कोई मजा उसे नहीं मिल पाता, क्योंकि जोखिम से बचने की कोशिश में, असल में जिन्दगी को ही आने से रोक रखा है। जिंदगी से अंत में हम उतना ही पाते हैं जितनी कि उसमें पूँजी लगाते हैं। पूँजी लगाना जिंदगी के संकटों से सामना करना है, उसके उस पन्ने को पलटकर पढ़ना है जिसके सभी अक्षर फूलों से नहीं, कुछ अंगारों से भी लिखे गए हैं।'

प्रश्न :

(i) साहस की जिन्दगी कैसी होती है ?

(ii) गद्यांश के आधार पर क्रांति करने वालों तथा जनसाधारण में अंतर लिखिए।

(iii) 'साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता' का क्या तात्पर्य है ?

(iv) क्रांतिकारी व्यक्ति क्या करता है ?

(v) अर्नाल्ड बेनेट के अनुसार कौन व्यक्ति सुखी नहीं हो सकता ?

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 250-300 शब्दों में निबंध लिखें : 10

(क) सत्यवादिता
(i) परिभाषा (ii) महत्ता (iii) उपसंहार।

(ख) वर्षा ऋतु
(i) प्रारम्भ (ii) सौन्दर्य (iii) उपसंहार।

(ग) सरस्वती पूजा
(i) प्रारम्भ (ii) पर्याय (iii) उत्सव (iv) माहात्म्य

(घ) महात्मा गाँधी
(i) भूमिका (ii) बाल्यकाल (iii) राजनीति (iv) महत्ता (v) उपसंहार।

(ङ) विज्ञान वरदान या अभिशाप
(i) भूमिका (ii) लाभ (iii) हानि (iv) उपसंहार।

4. अपने मित्र के पास एक पत्र लिखें, जिसमें विद्यालय में आयोजित होने वाली विज्ञान प्रदर्शनी का वर्णन हो।
अथवा, कोरोना महामारी से सुरक्षा के बारे में दो छात्रों के बीच संवाद लिखें।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 20-30 शब्दों में दें : 5×2=10

(क) काशू और मदन के बीच झगड़े का कारण क्या था ?

(ख) नृत्य की शिक्षा के लिए पहले-पहल बिरजू महाराज किस संस्था से जुड़े और वहाँ किनके सम्पर्क में आए ?

(ग) गाँधी जी बढ़िया शिक्षा किसे कहते हैं ?

(घ) मुक्ति के लिए किसे अनिवार्य माना गया है ?

(ङ) कवि की दृष्टि में आज के देवता कौन हैं और वे कहाँ मिलेंगे ?

(च) 'हमारी नींद' शीर्षक कविता किस कविता संकलन से ली गई है ?

(छ) लक्ष्मण कहाँ नौकरी करता था ?

(ज) 'माँ' कहानी के लेखक का क्या नाम है ? वे कहाँ के रहने वाले हैं ?

(झ) गाँधीजी किस तरह के सामंजस्य को भारत के लिए बेहतर मानते हैं, क्यों ?

(ञ) हिरोशिमा में मनुष्य की साखी के रूप में क्या है ?

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए (शब्द सीमा लगभग 100) : 5

(क) किस तरह समाजवाद हमारी राष्ट्रीय आवश्यकता है ? इस प्रसंग में लेखक के विचारों पर प्रकाश डालें।

(ख) निम्न पंक्तियों का अर्थ लिखें :

एक दिन सहसा
सूरज निकला
अरे क्षितिज पर नहीं,
नगर के चौक;

BiharboardQuestionpaper.com

धूप बरसी
पर अन्तरिक्ष से नहीं;
फटी मिट्टी से।

उत्तर

खण्ड 'अ'

1. (C)	2. (C)	3. (D)	4. (A)	5. (A)	6. (A)	7. (A)
8. (B)	9. (A)	10. (B)	11. (B)	12. (A)	13. (B)	14. (D)
15. (C)	16. (A)	17. (B)	18. (A)	19. (C)	20. (B)	21. (A)
22. (D)	23. (C)	24. (C)	25. (A)	26. (D)	27. (A)	28. (B)
29. (D)	30. (D)	31. (A)	32. (B)	33. (D)	34. (A)	35. (A)
36. (D)	37. (A)	38. (C)	39. (D)	40. (A)	41. (A)	42. (B)
43. (B)	4. (A)	45. (B)	46. (A)	47. (C)	48. (A)	49. (D)
50. (A)	1. (D)	52. (C)	53. (C)	54. (B)	55. (B)	56. (D)
57. (A)	8. (A)	59. (A)	60. (B)	61. (C)	62. (B)	63. (C)
64. (D)	65. (B)	66. (A)	67. (D)	68. (B)	69. (A)	70. (B)
71. (D)	72. (A)	73. (B)	74. (C)	75. (A)	76. (B)	77. (B)
78. (C)	79. (D)	80. (A)	81. (D)	82. (A)	83. (A)	84. (B)
85. (A)	86. (B)	87. (A)	88. (C)	89. (A)	90. (D)	91. (B)
92. (C)	93. (B)	94. (B)	95. (B)	96. (D)	97. (A)	98. (B)
99. (D)	100. (A)					

खण्ड 'ब'

1. **(क)** (i) आकाश में पृथ्वी से देखने पर आकाशगंगा नदी की धारा की भाँति दिखाई देती है, इसलिए इसका नाम आकाशगंगा पड़ा।

(ii) पृथ्वी से केवल एक आकाशगंगा दिखाई देती है। इसका नाम 'स्पाइरल गैलेक्सी' है।

(iii) आकाशगंगा में लगभग बीस अरब तारे हैं।

(iv) आकाशगंगा के केन्द्र में तारों का भारी जमघट है ?

(v) सूर्य एक तारा है।

(ख) (i) साधारण जल कुछ ही दिनों में खराब हो जाता है जबकि गंगाजल काफी समय रखने पर भी खराब नहीं होता है।

(ii) गंगा अपने उद्गम स्थल गोमुख से भागीरथी के रूप में निकलती हैं। यह अलकनंदा नामक नदी से मिलकर गंगा के रूप में आगे की यात्रा करती है।

(iii) भागीरथी से देव प्रयाग तक आते-आते इसमें कुछ चट्टानें घुल जाती हैं, जिससे इसके जल में ऐसी क्षमता पैदा हो जाती है जो उसके पानी को सड़ने नहीं देती।

(iv) कुछ विशेष प्रकार के बैक्टीरिया पानी में सड़न पैदा करने वाले कीटाणुओं को रोकते हैं। गंगा जल में ऐसे ही बैक्टीरिया पाए जाते हैं जो सड़न पैदा करने वाले जीवाणुओं को पनपने ही नहीं देते हैं। इस तरह वे गंगाजल की शुद्धता एवं महत्ता बढ़ा देते।

(v) गंगा का पानी काफी लम्बे समय तक खराब नहीं होता और पवित्र माना जाता है।

2. **(क)** (i) समाज एवं राष्ट्रहित में नागरिक के लिए चारित्रिक गुणों की अपेक्षा की जाती है।

(ii) चारित्रिक गुण किसी व्यक्ति के निजी जीवन में सुखी और आनंदमय हो सकता है।

(iii) वाणी और व्यवहार की मधुरता सबके लिए सुखदायक क्योंकि यह समाज में हार्दिक सद्भाव को वृद्धि करती है।

(iv) मधुर वाणी और शिष्ट व्यवहार अहंकारहीन व्यक्ति ही कर सकता है क्योंकि समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण बनाना चाहता है। परन्तु अहंकारी और दंभी व्यक्ति सदा अशिष्ट वाणी और व्यवहार का आभासी होता है। जिसका परिणाम समाज में शांति और सौहार्द का वातावरण नहीं बनता।

(v) देश के प्रति व्यक्ति का व्यवहार और कर्त्तव्य अधिकार की भावना से भावित रहना चाहिए।

(ख) (i) साहस की जिंदगी जीने वाले निडर और बेखौफ होती है।

(ii) क्रांति करने वालों का उद्देश्य बिल्कुल ही अलग होता है। वे अपने उद्देश्य की तुलना पड़ोसी से नहीं करते हैं और पड़ोसी की चाल देखकर अपनी चाल को कम या ज्यादा नहीं करते हैं। इसके विपरीत जनसाधारण का लक्ष्य और अपने पड़ोसियों जैसा होता है।

BiharboardQuestionpaper.com

(iii) साहसी मनुष्य सपने उधार नहीं लेता है का आशय है कि जो साहसी होते हैं वे अपने जीवन का लक्ष्य एवं उसे पूरा करने का मार्ग स्वयं चुनते हैं। वे दूसरे के लक्ष्य और रास्तों की नकल नहीं करते हैं।

(iv) क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल समझकर माध्यम बनाते हैं।

(v) अर्नाल्ड बेटेट के अनुसार, "जो आदमी यह महसूस करता है कि किसी महान निश्चय के समय यह साहस से काम नहीं ले सका, जिंदगी की चुनौती को कुबूल नहीं कर सकता, वह सुखी नहीं हो सकता।"

[illegible]

[illegible] जीवन को संस्कृति के अनुसार ढालने के लिए मानव समुदाय को कुछ मूल्यों को अपनाना होता है, जिनमें सत्य, ईमानदारी जैसे गुण मूल में होते हैं। हमेशा सत्य वचन कहने वाले को सत्यवादी कहा जाता है। भारत में राजा हरिश्चन्द्र को हर कोई जानता है जो अपनी सत्यवादिता के कारण अमर हो गए।

हमें सत्यवादी को समझने से पूर्व सत्यता के अर्थ स्वरूप और प्रभाव को जानना होगा। सत्यता का अर्थ होता है सत्य का स्वरूप। उसे धारण करने वाली सत्यवादी कहलाता है। सत्य शब्द का निर्माण संस्कृत की सत् धातु एवं ल्यप प्रत्यय लगने से बनता है, जिसका संस्कृत में आशय अस्ति से होता है।

[illegible] जीवन की प्रत्येक परिस्थिति चाहे वह हमारे अनुकूल हो या प्रतिकूल उसमें सत्य का साथ न छोड़ना ही सत्यता या सत्यवादिता कहलाता है। कबीरदास ने सत्य के महत्व को स्वीकारते हुए एक उक्ति कहीं थी सांच बराबर तप नहीं झूठ बराबर पाप।

भारत की संस्कृति में सत्यवादिता को महान गुण माना है। दशरथ अपने सत्य वादन एवं वचनों के पक्के हुआ करते थे। कैकेयी को दिए वचन के अनुसार अपने प्रिय पुत्र को भी सत्य की खातिर वनवास भेजा। इनसे पूर्व राजा हरिश्चन्द्र ने सत्य की राह को अपने जीवन को खफा दिया था। इन्होंने सत्य का पालन करते हुए डोम के हाथों अपनी पत्नी और बेटे को भी ब्राह्मण के हाथों बेच दिया। जीवन में घोर यातनाएँ सहने के बाद भी उन्होंने सत्य के मार्ग से स्वयं को जरा भी विचलित नहीं किया।

महाभारत में भी सत्यवादी भीष्म पितामह का प्रसंग मिलता है, जिन्होंने अपनी प्रतिज्ञा के पालन के लिए साहस नहीं छोड़ा। आधुनिक युग में गाँधी को सत्यवादी कहा गया। इस तरह हम समझ सकते हैं प्राचीन काल से लेकर आधुनिक काल तक सत्यवादी लोग अमर हुए।

[illegible]– वस्तुतः सत्यभाषण और सत्यपालन के अमित फल होते हैं। सत्य बोलने का अभ्यास बचपन से ही डालना चाहिए। कभी-कभी झूठ बोल देने से कुछ क्षणिक लाभ हो जाता है, बच्चे झूठ बोलकर माँ-बाप से पैसे झटक लेते हैं, पढ़ाई का बहाना करके सिनेमा चले जाते हैं। किंतु, यह क्षणिक लाभ उनके जीवन-विकास का मार्ग अवरुद्ध कर देता है। उनके चरित्र में छिद्र होने लगता है और रिसता हुआ चरित्र कभी महान हो नहीं सकता।

(ग) वर्षा ऋतु– देखें 2020 (A), प्रथम पाली, प्रश्न संख्या 3 (घ) का उत्तर।

(ग) सरस्वती पूजा

प्रारम्भ– माता सरस्वती विद्या और ज्ञान की देवी हैं। इनकी पूजा माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी अर्थात् 'वसंत पंचमी' को होती है। उस दिन से ही वसंतोत्सव आरंभ हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि वसंत पंचमी के दिन से जाड़ा विदा हो गया और गर्म कपड़े की आवश्यकता नहीं रही। भारत के सभी विद्यालयों में माँ सरस्वती की पूजा की जाती है। सरस्वती-पूजा सारे विद्यार्थियों का पर्व है।

पर्याय– माँ शारदा की पूजा का अपना महत्त्व है। हमारे प्राचीन ऋषि-मुनियों ने सरस्वती को विद्या और ज्ञान की देवी या अधिष्टात्री माना है। उनका वाहन हंस है। यह हंस ज्ञान और सत्यासत्य का निर्णायक है। उजला कमल सरस्वती का आसन है, जो सादगी और स्वच्छता का प्रतीक है। सरस्वती का वस्त्र और रंग भी उजला है–सर्वशुक्ला सरस्वती कही जाती है। इससे हमें यह शिक्षा मिलती है कि जो शिक्षा पाना चाहते हैं उन्हें रंगीन और कीमती वस्त्र नहीं धारण करना चाहिये। सरस्वती के एक हाथ में वीणा है जो बतलाती है कि विद्या के साथ संगीत का होना भी आवश्यक है। यह संगीत जीवन को मधुर और सरस बनाता है। सरस्वती के दूसरे हाथ में पुस्तक है, जो ज्ञान की शिक्षा देती है। सरस्वती पूजा का सबसे बड़ा उद्देश्य यह है कि इस दिन हम सभी माँ सरस्वती के चरणों में अपने को सौंप दें और उनसे ऊँचे-ऊँचे विचार और ज्ञान पाने की प्रार्थना करें।

उत्सव– सरस्वती पूजा छात्रों का सबसे बड़ा पर्व है। इसके लिए छात्र पूजा की तिथि से कुछ दिन पूर्व ही इसकी तैयारी आरंभ कर देते हैं। पूरे उत्साह के साथ अपने मुहल्ले तथा आस-पास के लोगों से चन्दे इकट्ठे करते हैं और पूजा के दिन संगीत और नाटक आदि का आयोजन करते हैं। पूजा के लिए सरस्वती की सुन्दर प्रतिमा बनवायी जाती है और उसे सुन्दर-से-सुन्दर वस्त्रों तथा माला आदि से सजाया जाता है। पूजा सुबह आठ

BiharboardQuestionpaper.com

बजे शास्त्रीय विधि से की जाती है। पूजा की समाप्ति के बाद प्रसाद वितरण का कार्य सम्पन्न किया जाता है। पूजा का प्रसाद ग्रहण करने के लिए प्रत्येक छात्र के अभिभावक को भी बुलाया जाता है। पूजा काल में सभी अभिभावक आकर बैठते हैं और पूजा की समाप्ति के बाद प्रसाद लेकर अपने घर जाते हैं। प्रसाद वितरण का यह क्रम लगभग दो घंटे तक चलता है। यहाँ आने-जाने वाले एवं दर्शनार्थियों की भीड़ तो दिन भर रहती है, लेकिन प्रसाद वितरण समाप्त कर दिया जाता है। पूजा के दिन रात्रि में प्रायः विद्यालयों में नाटक खेलने का कार्यक्रम रखा जाता है। उस नाटक में अपने ही विद्यालय के छात्र सब प्रकार की भूमिकाओं का निर्वाह करते हैं। अगर नाटक खेलने की व्यवस्था नहीं की जा सकी तो संगीत या कीर्त्तन की व्यवस्था तो जरूर रहती है, क्योंकि छात्रों को प्रतिमा के सामने उस रात्रि सजग होकर रहना पड़ता है। दूसरे दिन पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमा का विसर्जन किया जाता है, जिसमें छात्र प्रतिमा को आदरपूर्वक अपने कंधों पर उठाकर नदी के तट पर जाते हैं। इस कार्यक्रम में सभी छात्र एवं शिक्षक सम्मिलित होते हैं। छात्र अबीर-गुलाल उड़ाते हुए प्रतिमा को लेकर चलते हैं।

माहात्म्य–सरस्वती पूजा हमारे लिए ज्ञान का प्रकाश लाती है। सच्ची विद्या की शिक्षा देती है और उस दिन हम यह प्रतिज्ञा दुहराते हैं कि पढ़-लिखकर हम अपना, अपने परिवार का, अपने समाज और देश का नाम ऊँचा करेंगे। हर वर्ष हमें सरस्वती पूजा ऐसा ही उपदेश दे जाती है।

(घ) महात्मा गाँधी–देखें 2014 (C), प्रश्न संख्या 2 (अ, क) का उत्तर।

(ङ) विज्ञान वरदान या अभिशाप

भूमिका–विज्ञान एक शक्ति है, जो नित नए आविष्कार करती है। यह शक्ति न तो अच्छी है, न बुरी। अगर हम उस शक्ति से मानव कल्याण के कार्य करें तो वह 'वरदान' प्रतीत होती है। अगर उसी से विनाश करना शुरू कर दें तो वह 'अभिशाप' बन जाती है।

विज्ञान मनुष्य का सच्चा साथी है, जीवन का स्रोत है। विज्ञान मानव जीवन को पूर्ण बनाता है तथा सुखी बनाता है। यही मानव के जीवन का लक्ष्य पूरा करता है। जीवन में विज्ञान न हो, तो मनुष्य निरक्षित होकर जीवनभर भटकता फिरेगा। यही मनुष्य को पशु जीवन से ऊपर उठाता है।

लाभ–विज्ञान ने अंधों को आँखें दी हैं, बहरों को सुनने की ताकत। लाइलाज रोगों की रोकथाम की है तथा अकाल मृत्यु पर विजय पाई है। विज्ञान की सहायता से यह युग बटन-युग बन गया है। बटन दबाते ही वायु देवता हमारी सेवा करने लगते हैं, इंद्र देवता वर्षा करने लगते हैं, कहीं प्रकाश जगमगाने लगता है तो कहीं शीत-उष्ण वायु के झोंके सुख पहुँचाने लगते हैं। बस, गाड़ी, वायुयान आदि ने स्थान की दूरी को बाँध दिया है। टेलीफोन द्वारा तो हम सारी वसुधा से बातचीत करके उसे वास्तव में कुटुंब बना लेते हैं। हमने समुद्र की गहराइयाँ भी नाप डाली है और आकाश की ऊँचाइयाँ भी। हमारे टी० वी०, रेडियो, वीडियो में मनोरंजन के सभी साधन कैद हैं। सचमुच विज्ञान 'वरदान' ही तो है।

हानि–मनुष्य ने जहाँ विज्ञान से सुख के साधन जुटाए हैं, वहाँ दुःख के अंबार भी खड़े कर लिए हैं। विज्ञान के द्वारा हमने अणु बम, परमाणु बम तथा अन्य ध्वंसकारी अस्त्र-शस्त्रों का निर्माण कर लिया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अब दुनिया में इतनी विनाशकारी सामग्री इकट्ठी हो चुकी है कि उससे सारी पृथ्वी को अनेक बार नष्ट किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त प्रदूषण की समस्या बहुत बुरी तरह फैल गई है। नित्य नए असाध्य रोग पैदा होते जा रहे हैं, तो वैज्ञानिक उपकरणों के अंधाधुंध प्रयोग करने के दुष्परिणाम हैं।

वैज्ञानिक प्रगति का सबसे बड़ा दुष्परिणाम मानव मन पर हुआ है। पहले जो मानव निष्कपट था, निःस्वार्थ था, भोला था, मस्त और बेपरवाह था, वह अब छली, स्वार्थी, चालाक, भौतिकतावादी तथा तनावग्रस्त हो गया है। उसके जीवन से संगीत गायब हो गया है, धन की प्यास जाग गई है, नैतिक मूल्य नष्ट हो गए हैं।

उपसंहार–वास्तव में विज्ञान को वरदान या अभिशाप बनाने वाला मनुष्य है। उसे वरदान या अभिशाप बनाना मानव के हाथ में है। इस संदर्भ में एक उक्ति याद रखनी चाहिए–'विज्ञान अच्छा सेवक है, लेकिन बुरा हथियार'।

4. देखें 2014 (A), द्वितीय पाली, प्रश्न संख्या 3 का उत्तर।

अथवा

कौशल : मित्र, यह कोरोना वायरस का प्रकोप तो बहुत ज्यादा फैल गया है, मुझे तो बड़ा डर लग रहा है।

अभिषेक : हाँ, डरने की बात ही है। यह ऐसी महामारी है, जिसका अभी तक कोई इलाज नहीं मिल पाया है। ऐसे में डरने वाली बात स्वाभाविक है।

BiharboardQuestionpaper.com

कौशल : अब क्या होगा ?

अभिषेक : भले ही इसका इलाज नहीं है, लेकिन हम इस वायरस के संक्रमण को फैलने से तो बचा जा सकता है। किसी भी रोग को होने की नौबत ना आने देना यानि रोग से बचाव भी एक अच्छा उपाय है।

कौशल : इसी कारण हमारे देश की सरकार ने लॉकडाउन किया था, ताकि संक्रमण पूरे देश में न फैल सके।

अभिषेक : बिल्कुल सही हमारे देश में ही नहीं विश्व के अनेक देशों में लॉकडाउन चल रहा है।

कौशल : क्या सिर्फ लॉकडाउन से हम इस महामारी से बच जाएँगे ?

अभिषेक : नहीं, हम सभी लोगों का योगदान देना जरूरी है।

कौशल : जैसे !

अभिषेक : बिना वजह के घर से नहीं निकलना और अगर निकलते हैं तो मास्क और दस्ताना अवश्य पहने और भीड़-भाड़ वाली जगह पर नहीं जाना।

कौशल : अच्छा !

अभिषेक : हाँ, यही कामना है कि जल्दी-से-जल्दी यह बीमारी न केवल हमारे देश से बल्कि पूरे विश्व से समाप्त हो जाए, ताकि हमलोग अपनी पहले की तरह ठीक हो जाए।

कौशल : हाँ, हम अपने मकसद में कामयाब होंगे और कोरोना को हराकर ही दम लेंगे।

अभिषेक : हाँ बिल्कुल ! हम जरूर कामयाब होंगे।

5. (क) काशू और मदन के बीच झगड़े के कारण मात्र बाल हट्‌ठ था। काशू ने मदन और उसके मित्रों को लट्टू नचाते देखा, तो उसकी तबीयत मचल गई। वह भी लट्टू नचाना चाहता था। पर, काशू से अपमानित-प्रताड़ित मदन नहीं चाहता था कि काशू लट्टू नचाए। इसपर काशू ने तैश में आकर मदन को एक घूँसा रसीद कर दिया। मदन भी काशू पर टूट पड़ा। इस प्रसंग के द्वारा लेखक आहत बाल मन की प्रतिक्रियाओं को प्रस्तुत करना चाहता है।

(ख) नृत्य की शिक्षा के लिए पहले-पहल बिरजू महाराज दिल्ली के "हिन्दुस्तानी डान्स म्यूजिक" संस्था से जुड़े और वहाँ के 'निर्मल जोशी' जी के सम्पर्क में आये।

(ग) देखें 2015 (A), प्रथम पाली, प्रश्न संख्या 10 का उत्तर।

(घ) मुक्ति के लिए गुरु यानी गुरु के उपदेश को अनिवार्य माना गया है।

(ङ) देखें 2017 (A), प्रथम पाली, प्रश्न संख्या 16 का उत्तर।

(च) 'हमारी नींद' शीर्षक कविता 'दुष्चक्र में स्रष्टा' कविता संकलन से ली गई है।

(छ) लक्ष्मण कलकत्ता में नौकरी करता था।

(ज) 'माँ' कहानी के लेखक का नाम ईश्वर पेटलीकर है। वे गुजरात के रहने वाले हैं।

(झ) गाँधीजी प्राकृतिक सामंजस्य को भारत के लिए बेहतर मानते हैं। प्राकृतिक सामंजस्य के कारण विभिन्न संस्कृतियाँ एक-दूसरे को प्रभावित करती हुई एक बेहतर संस्कृति का निर्माण करती हैं। इस प्रकार के सामंजस्य में कोई संस्कृति न तो बड़ी होती है और न छोटी। प्राकृतिक सामंजस्य की स्थिति में सारी संस्कृतियों का अपना-अपना अस्तित्व सुरक्षित रहता है। भारत विभिन्न संस्कृतियों का संगम स्थल है। यदि विभिन्न संस्कृतियों में स्वाभाविक सामंजस्य बना रहता है तो भारत की प्रगति को कोई अवरुद्ध नहीं कर सकता।

(ञ) देखें 2020 (A), द्वितीय पाली, प्रश्न संख्या 5 (ङ) का उत्तर।

6. (क) लेखक के अनुसार, भारत में समाजवादी व्यवस्था कायम होने से यहाँ की राष्ट्रीय अस्मिता पहले से ज्यादा पुष्ट होगी। वे कहते हैं कि पूँजीवादी व्यवस्था में बेहिसाब शक्ति का अपव्यय होता है। देश के साधनों का सर्वोत्तम उपभोग समाजवादी व्यवस्था में ही संभव हो सकता है। लेखक कहते हैं कि समाजवादी व्यवस्था कायम होने से ही अनेक छोटे-बड़े राष्ट्र पहले से ज्यादा शक्तिसंपन्न हो गए हैं। उनकी प्रगति की गति किसी भी पूँजीवादी देश की अपेक्षा बहुत तेज है। अतः, लेखक का मानना है कि समाजवाद हमारी राष्ट्रीय आवश्यकता है। समाजवाद की स्थापना से ही हमारा राष्ट्र शीघ्र ही शक्तिसंपन्न हो जाएगा।

(ख) प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारे पाठ्य पुस्तक "गोधूली" भाग-2 के काव्य (पद्य) खण्ड के 'हिरोशिमा' शीर्षक कविता से उद्धृत हैं। प्रस्तुत गद्यांश में कवि 'अज्ञेय' ने 6 अगस्त, 1945 को जापान के हिरोशिमा नगर पर हुए परमाणुबम विस्फोट की भयकर स्थिति का वर्णन किया है। कवि कहता है कि अचानक हिरोशिमा नगर के चौक से एक सूरज निकलता है। जो रोज निकलनेवाले सूरज की तरह पूरब दिशा के क्षितिज पर नहीं निकलता और न ही उससे धूप बरसता है। यह तो नगर के बीचोबीच में निकलकर तेज विस्फोट अग्नि बरसाता है।

बिहार बोर्ड के नए और पुराने ऑफिसियल क्वेश्चन पेपर, मॉडल पेपर, आंसर-की, पाठ्यक्रम, नोट्स, मॉक टेस्ट, सेंट-अप और प्रैक्टिकल परीक्षा प्रश्न पत्र आदि के लिए...
BiharboardQuestionpaper.com
अभी विजिट करें...